

---

# Hayagriva Sampadas Stotram

---

## हयग्रीवसम्पदास्तोत्रम्

---

### Document Information

---

Text title : hayagrIvastotraM or Hayagriva Sampada Stotram

File name : hayagriva.itx

Category : vishhnu, stotra, vishnu, vAdirAja

Location : doc\_vishhnu

Author : Vadiraj

Transliterated by : Shrisha Rao

Proofread by : Shrisha Rao

Latest update : February 22, 2022

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

April 27, 2024

*sanskritdocuments.org*

---

---

Hayagriva Sampadas Stotram

हयग्रीवसम्पदास्तोत्रम्



हयग्रीव हयग्रीव हयग्रीवेति वादिनम् ।  
नरं मुंचन्ति पापानि दरिद्रमिव योषितः ॥ १ ॥  
हयग्रीव हयग्रीव हयग्रीवेति यो वदेत् ।  
तस्य निस्सरते वाणी जह्नुकन्या प्रवाहवत् ॥ २ ॥  
हयग्रीव हयग्रीव हयग्रीवेति यो ध्वनिः ।  
विशोभते स वैकुण्ठ कवाटोद्घाटनक्षमः ॥ ३ ॥  
श्लोकत्रयमिदं पुण्यं हयग्रीवपदांकितम्  
वादिराजयतिप्रोक्तं पठतां सम्पदां पदम् ॥ ४ ॥  
॥ इति श्रीमद्वादिराजपूज्यचरणविरचितम्  
हयग्रीवसम्पदास्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥  
॥ भारतीरमणमुख्यप्राणांतर्गत श्रीकृष्णार्पणमस्तु ॥

Encoded by Shrishra Rao

---

*Hayagriva Sampadas Stotram*

pdf was typeset on April 27, 2024

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

